University in News on 04 April 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में शुरू होगा चार वर्षीय बीएड कोर्स

एनसीटीई में आवेदन के लिए विवि तैयार कर रहा कार्ययोजना

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड शुरू करने की तैयारी चल रही है। इस संबंध में विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। पाठ्यक्रम को शुरू करने को विवि जल्द ही नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (एनसीटीई) में आवेदन करेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में इस समय दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम संचालित है। इसमें विद्यार्थी चार सेमेस्टरों में अपनी पढ़ाई पूरी करते हैं। नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद एनसीटीई ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 से आईआईटी, एनआईटी, सेंट्रल व स्टेट यूनिवर्सिटी समेत 57 अध्यापक शिक्षा संस्थानों (टीएआई) में इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) शुरू किया है। यह चार साल की दोहरी-समग्र स्नातक डिग्री है, जो बीए बीएड./ बीएससी बीएड. और बीकॉम बीएड कोर्स ऑफर करती है। यह कोर्स नई शिक्षा नीति के अंतर्गत दिए गए नए स्कूल एजुकेशन सिस्टम के चार चरणों यानी फाउंडेशनल, प्रिपरेटरी, मिडिल और सेकंडरी (5+3+3+4) के लिए शिक्षकों को तैयार करेगा। इसे अब लविवि में चलाने की योजना है। शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि चार वर्षीय बीएड विद्यार्थी और शिक्षक केंद्रित पाठ्यक्रम है। हम जल्द ही इसके लिए आवेदन करेंगे, तैयारियां पूरी है।

सरकारी संस्थानों को ही मान्यता

एनसीटीई चार वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए केवल सरकारी शिक्षण संस्थानों को ही मान्यता दे रहा है। इसके लिए वही संस्थान आवेदन कर सकते हैं जिन्हें नैक ए डबल प्लस ग्रेड हासिल है या वह यूजीसी की कैटेगरी-1 में शामिल हैं। लविवि इन दोनों अर्हताओं को पूरा करता है।

इंटर के बाद दाखिला, एक साल बचेगा

आईटीईपी उन सभी छात्रों के लिए उपलब्ध है, जो सेकेंडरी के बाद अपनी पसंद से शिक्षण को अपने कॅरिअर के रूप में चुनते हैं। इस इंटीग्रेटेड कोर्स से छात्रों को एक वर्ष की बचत का लाभ होगा, क्योंकि वे वर्तमान बीएड (3 साल ग्रेजुएशन + 2 साल का बीएड) के लिए पांच वर्षों के बजाय पाठ्यक्रम को चार वर्षों में पूरा करते हैं।

लविवि : 102 विद्यार्थियों को मिली नौकरी

लखनऊ। लविवि के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 102 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया है। ये एसआईपीएसएस फाउंडेशन में सेवाएं देंगे। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सभी को शुरूआत में 9000 हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद तय पैकेज के हिसाब से भुगतान किया जाएगा। (संवाद)

NBT PAGE 4

कीस्टोन के साथ मिलकर दिव्यांगता अध्ययन पर काम करेगा LU

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग ने बुधवार को कीस्टोन इंस्टिट्यूट इंडिया और पीवाईएसएसयूएम के सहयोग से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस मौके पर एलयू और कीस्टोन के बीच दिव्यांगता पाठ्यक्रम के नवीनीकरण को लेकर एक एमओयू साइन हुआ। प्रफेसर रानू उनियाल और प्रफेसर फातिमा रिजवी द्वारा संपादित अंडरस्टैंडिंग डिसेबिलिटी, डॉक्टर आरबी शर्मा और डॉक्टर स्तुति खरे द्वारा संपादित द फीमेल इमेजिनेशन इन 21 सेंचुरी, एन नामक पुस्तकों का विमोचन किया गया। डॉक्टर नवल पंत की अनप्लांड जर्नी और कीस्टोन इंस्टिट्यूट इंडिया की पत्रिका झलक को भी लांच किया गया। सम्मेलन में एलयू कुलपति प्रफेसर आलोक कुमार राय, विभागाध्यक्ष प्रफेसर मैत्रेयी प्रियदर्शिनी, कीस्टोन इंस्टिट्यूट इंडिया की कार्यकारी निदेशक एलिजाबेथ न्यूविल एवं गीता मंडल, पीवाईएसएसयूएम से डॉक्टर नवल चंद्र पंत एवं अंजू मिश्रा, शामिल रहे। आयोजन सचिव प्रफेसर रानू उनियाल ने किया।

कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 102 का चयन

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की ओर से रेकॉर्ड प्लेसमेंट हुए। इस दौरान एक प्रतिष्ठित कंपनी ने 102 स्टूडेंट्स का चयन किया। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रफेसर मधुरिमा लाल ने बताया कि कंपनी ने चयनित स्टूडेंट्स को तुरंत ही जॉइन करने के निर्देश दिए हैं। कंपनी की ओर से स्टूडेंट्स को नौ हजार रुपये प्रतिमाह पर ट्रेनिंग दी जाएगी।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू और कीस्टोन के बीच दिव्यांगता अध्ययन के पाठ्यक्रम के लिए एमओयू हुआ

एलयू और कीस्टोन इंडिया में एमओयू

लखनऊ। एलयू में अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग, कीस्टोन इंस्टीट्यूट और पीवाईएसएसयूएम की ओर से मूल्य का विचार: दिव्यांगता और सामाजिक भूमिका मूल्यांकन पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस मौके पर एलयू और कीस्टोन के बीच दिव्यांगता अध्ययन के पाठ्यक्रम को तैयार करने के लिए एमओयू हुआ। कुलपति प्रो. आलोक राय, विभागाध्यक्षा प्रो. मैत्रेयी प्रियदर्शिनी समेत कई अन्य उपस्थित रहे।

एलयू में 102 छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट हुआ

लखनऊ। एलयू में सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव के जरिए रिकार्ड 102 छात्र-छात्राओं का चयन एसआईपी एसएस फाउंडेशन में हुआ है। निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल के अनुसार सभी चयनित छात्रों को नौ हजार रुपये प्रतिमाह पर ट्रेनिंग दी जाएगी। जानकारी के अनुसार बता दें कि इसके बाद पर परफार्मेंस के आधार पर विद्यार्थियों को नौकरी के लिए चयनित किया जाएगा।

i-NEXT PAGE 4

102 विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

ULUCKNOW: लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के प्लेसमेंट का सिलसिला जारी है. इस बार 102 विद्यार्थियों का चयन हुआ है. सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने बताया कि सिप एसएस फाउंडेशन में 102 छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट हुआ है. कंपनी की नीति अनुसार पहले सभी विद्यार्थियों को नौ हजार रुपये प्रतिमाह पर उत्कृष्ट ट्रेनिंग दी जाएगी. संतोषजनक ट्रेनिंग के बाद इनका प्लेसमेंट और सैलरी इनकी परफारमेंस के आधार पर तय होगा.

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय में 102 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट

जारसं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के प्लेसमेंट का सिलसिला जारी है। इस बार 102 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने बताया कि सिप एसएस फाउंडेशन में 102 छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट हुआ है। कंपनी की नीति अनुसार पहले सभी विद्यार्थियों को नौ हजार रुपये प्रतिमाह पर उत्कृष्ट ट्रेनिंग दी जाएगी। संतोषजनक ट्रेनिंग के बाद इनका प्लेसमेंट और सैलरी इनकी परफारमेंस के आधार पर तय होगा।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि में दिव्यांगता और सामाजिक भूमिका का मूल्यांकन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

एमओयू के दौरान लविवि के कुलपति आलोक कुमार राय।

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में कीस्टोन इंस्टीट्यूट और पीवाईएसएसयूएम के सहयोग से मूल्य का विचार दिव्यांगता और सामाजिक भूमिका मूल्यांकन शीर्षक पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान एक समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण पाठ्यक्रम में दिव्यांगता अध्ययन के लिए किया गया।

अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मैत्रेयी प्रियदर्शिनी ने कार्यकारी निदेशक कीस्टोन इंस्टीट्यूट की एलिजाबेथ न्यूविल, कीस्टोन इंडिया की गीता मंडल, अंजू मिश्रा, पीवाईएसएसयूएम के डॉ. नवल चंद्र पंत और गोरखपुर विश्वविद्यालय के वक्ता प्रो. गौरहरि बेहरा का परिचय दिया। इसके बाद लखनऊ विश्वविद्यालय और कीस्टोन के बीच विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू)का नवीनीकरण पाठ्यक्रम में दिव्यांगता अध्ययन के लिए किया गया। विशेषज्ञों और शिक्षाविदों द्वारा विभिन्न विषयों के तहत अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इस दौरान लखनऊ विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व काफी संख्या में छात्र और शोधार्थी भी उपस्थित रहे।

पुस्तक-पत्रिका का किया गया विमोचन

कार्यक्रम के दौरान डॉ. आरबी शर्मा और डॉ. स्तुति खरे द्वारा संपादित द फीमेल इमेजिनेशन इन 21 सेंचुरीएन नामक पुस्तकों का विमोचन किया गया। इसमें डॉ. नवल पंत की अनप्लांड जर्नी और कीस्टोन इंस्टीट्यूट इंडिया की पत्रिका झलक और विभाग की पत्रिका रेटोरिका भी शामिल रही।

LOKSTYA PAGE 3

सम्मेलन में विद्वानों और शिक्षाविदों ने पढ़ें शोध पत्र, हुआ करार

लखनऊ लोकसत्य।

सम्मेलन

- एलयू में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

लखनऊ विश्वविद्यालय और कीस्टोन के बीच विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण पाठ्यक्रम में दिव्यांगता अध्ययन के लिए हस्ताक्षरित हुआ। अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कीस्टोन इंस्टीट्यूट, भारत और पीवाईएसएसयूएम के सहयोग से 'मूल्य का विचारः दिव्यांगता और सामाजिक भूमिका मूल्यांकन' शीर्षक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एलयू कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के संरक्षण में हुआ। अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा की विभागाध्यक्ष प्रो मैत्रेयी प्रियदर्शिनी ने अतिथियों कार्यकारी निदेशक कीस्टोन इंस्टीट्यूट, भारत एलिजाबेथ न्यूविल, कीस्टोन इंडिया से गीता मंडल, पीवाईएसएसयूएम से अंजू मिश्रा, डॉ. नवल चंद्र पंत और गोरखपुर विश्वविद्यालय के विद्वान प्रो. गौरहरि बेहरा) का स्वागत किया। सम्मेलन की आयोजन सचिव प्रो. रानू उनियाल ने मुख्य वक्ता एलिजाबेथ न्यूविल का परिचय दिया। कुछ पुस्तकों का विमोचन भी हुआ मुख्य भाषण में 'अदृश्य रंगभेद' और सामाजिक भूमिका मूल्यांकन विचार और अवधारणाएं शामिल थीं।

TOI PAGE 3

Modern makeover for LU's historic Canning College bldg

Mohita.Tewari
@timesgroup.com

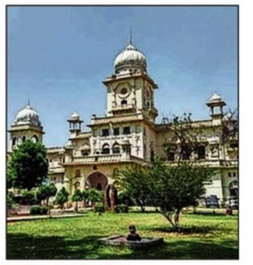

REVAMP AHEAD

Lucknow: Lucknow University's historic arts quadrangle, popularly known as Canning College building, will be revamped with a fund of Rs 5 crore to be received under the Pradhan Mantri Uchchatar Shiksha Abhiyan (PM-USHA).

According to LU officials, Canning College building is the oldest building on the campus where classes are being run at present.

While it is a structure of the British era, its roofs are leaking, walls remain damp and ceilings of the building need immediate repair and renovation.

Among all proposals sent to govt by LU for PM USHA funds, the repair of Canning College is one the biggest priorities as it houses classrooms of 10 departments, a proctor and dean office and three halls.

"Canning College was an independent college and existed even before LU was established in 1920. Hence the building is in desperate need of renovation," said LU vice-chancellor Prof Alok Kumar. "While the Malviya and AP Sen Hall University have already been renovated with LU funds, next is the major repair work required in classrooms of the art faculty in the building," he added.

Kumar also added that the authorities also plan to install comfortable furniture and modern facilities in classes of postgraduate students since they spend more time in the campus for classes and research work.

For undergraduate students as well, we will be revamping classrooms, the VC said.

LU was recently selected for a grant of Rs 100 crore under PM USHA scheme. The funds under the scheme will be given to the university in a phase-wise manner.